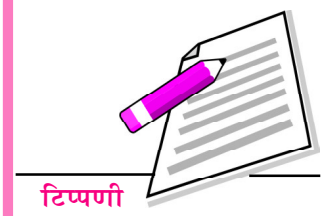

टिप्पणी

उच्च माध्यमिक पाठ्यक्रम
सैन्य इतिहास पाठ्यक्रम

परिचय

सैन्य इतिहास मानविकी का एक विषय है। इसके अंतर्गत सामान्य इतिहास, मानव इतिहास में हुए सैन्य संघर्षों का व्यौरा, समाजों पर हुए इनके प्रभाव, उनकी संस्कृति, अर्थव्यवसथा और आंतरिक तथा अंतर्राष्ट्रीय परिवर्तनों पर प्रभाव का अध्ययन है। इसके प्रमुख विषय हैं युद्ध के कारण, उनकी सामाजिक व राजनीतिक संस्थापनाएँ, सैन्य नियमों की पालना, उनका एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने का तरीका, उनका नेतृत्व, सैन्य तकनीक, युद्ध कौशल व रणनीति का उचित प्रयोग और समय के साथ हुए परिवर्तनों आदि का अध्ययन।

किसी देश के लोग अपने महान इतिहास को जानकर उज्जवल भविष्य की कामना कर सकते हैं। किन्तु इसके लिए इतिहास को जानना बेहद आवश्यक है। नागरिकों को अपने देश की सेना की सही व सच्ची तस्वीर मालूम होनी चाहिए।

औचित्य / तर्काधार

सैन्य इतिहास किसी भी देश के सैन्य बलों, उनकी उत्पत्ति, उनमें हुए परिवर्तन और समय के साथ युद्ध कला में आए बदलाव तथा विज्ञान और तकनालोजी द्वारा हथियारों का इतिहास होता है। यह विषय भारतीय इतिहास के सैन्य पक्ष को देखता है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में सेना का महत्व, संगठन, युद्ध एवं युद्ध नीति का वर्णन मिलता है। इसकी संर्वप्रथम जानकारी ऋग्वेद से मिलती है।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य देश की सेना के बारे में जानकारी के अभाव को भरना तथा सामान्यजन को सुरक्षा प्रदान करने और देश को सुरक्षा प्रदान करने के अंतर को समझना है। सैन्य इतिहास की समझ युद्ध नीति व रणकौशल को भी समझने की दिशा में एक कदम है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्य निम्न हैं-

- सेना को देश की ताकत के रूप में समझने को बढ़ावा देना
- देश युद्ध क्यों लड़ते हैं, सेना के विकास तथा इसके संगठन में हुए संरचनात्मक परिवर्तन, युद्ध लड़ने के तरीकों तथा सेना द्वारा प्रयुक्त हथियारों की समझ प्रदान करना।
- शिक्षार्थी द्वारा सैन्य प्रकृति को ग्रहण करना तथा उदाहरण देकर समझाना कि वीरता और साहस सेना के लिए अति आवश्यक हैं।
- शिक्षार्थी द्वारा युद्ध नीति और हथियारों के अनुप्रयोग का आधारभूत ज्ञान पैदा करना

टिप्पणी

- स्वतंत्रता पश्चात् भारतीय सेना भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना की उत्पत्ति एवं इतिहास बता पाना।
- समकालीन आंतकवाद व राजद्रोह के तरीकों तथा विचार की मौलिक जानकारी देना।

लक्ष्य समूह

लक्ष्य समूह के अंतर्गत निम्न आते हैं-

1. सैन्य बलों के लड़ाका एवं गैर-लड़ाका सदस्य जिन्होंने कक्षा 10 तक अध्ययन किया है।
2. पूरे भारत के सामान्य शिक्षार्थी जो NIOS से शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं।

दृष्टिकोण

नवीन विषय होने के कारण शिक्षार्थी इस विषय की मूलभूत समझ से अनभिज्ञ हैं। इसलिए इसे उचित अनुक्रम में समझना जरूरी है। इसलिए इस विषय को कई भागों में विभाजित किया गया है। क्या, क्यों और कैसे जैसे प्रश्नों के उत्तर देने की दृष्टि से पाठ तैयार किए जाएँगे।

पूर्व आवश्यकताएँ

यह पाठ्यक्रम उनके लिए बनाया गया है जिन्होंने दसवीं उत्तीर्ण कर ली है तथा अपनी आगे की पढ़ाई NIOS से करने की इच्छुक है।

समानता

यह पाठ्यक्रम उच्च माध्यमिक स्तर (के समान है - जोकि पूर्ण भारत में लागू है)। किसी भी बोर्ड जैसे राज्य बोर्ड, CBSE, ICSE की उच्चतर माध्यमिक स्तर के समान है।

शिक्षण का माध्यम

अंग्रेजी/हिन्दी (यह पाठ्यक्रम अन्य प्रादेशिक भाषाओं में भी अनुवाद किया जाएगा)।

पाठ्यक्रम की अवधि

यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का है जिसे आप अधिकतम 5 वर्ष में पूरा कर सकते हैं।

अंक भार

लिखित : 100%

शिक्षक अंकित मूल्यांकन कार्य (टीएमए)- 20% (लिखित परीक्षा का 20%)

शिक्षण विधि

लिखित : स्वयं अधिगम करने हेतु छपी हुई सामग्री के साथ-साथ शिक्षा सहायता हेतु आमने-सामने बैठकर संपर्क अध्ययन की कक्षाएँ भी होगी।

कार्य : एक कार्य द्वारा लगातार समय-समय पर मूल्यांकन।

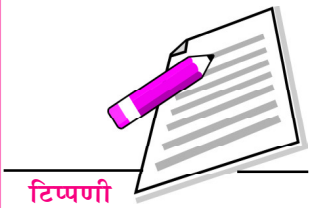

टिप्पणी

मूल्यांकन पद्धति

लिखित परीक्षा : 100 अंक

टी.एम.ए- 20% (लिखित परीक्षा का 20%)

उत्तीर्ण होने का मापदंड- परीक्षा में न्यूनतम 33% अंक प्राप्त करना

पाठ्यक्रम संरचना

समयावधि के अनुसार प्रत्येक खंडों का अंक विभाजन

क्रम संख्या	**माड्यूल का नाम**	**अंक**	**अध्ययन हेतु समयावधि**
1.	प्राचीन भारत का सैन्य इतिहास	10	24
2.	मध्यकालीन भारत का सैन्य इतिहास	10	24
3.	औपनिवेशिक काल का सैन्य इतिहास	15	36
4.	वर्तमान सेनाएँ	25	60
5.	स्वतंत्रता पश्चात् हुए प्रमुख युद्ध	20	48
6.	राजद्रोह और आतंकवाद	20	48
	कुल	100	240